आय में दो–गुनी वृद्धि व नस्ल सुधार–फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत स्व सहायता समूहों को बकरी इकाईयों का निःशुक्ल वितरण

दिनांक 20/06/2018, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा संचालित परियोजना फार्मर फर्स्ट के तहत जबलपुर जिले के छः ग्राम घाना, कैलवास, देवरी, छतरपुर, पड़रिया एवं सिलुआ के कुल 27 पशुपालकों को कृषक भ्रमण व उन्नत नस्ल की सिरोही, बारबरी व ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियों व बकरे निःशुल्क वितरण माननीय कुलपति डॉ. पी.डी. जुयाल, ना.दे. प.चि.वि.वि., जबलपुर के मुख्य आतिथ्य मे किया गया।

माननीय कुलपति महोदय द्वारा पशुपालकों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित विभिन्न परियोजनाओं जैसे की उन्नत भारत अभियान, मेरा गाँव मेरा गौरव, जनजाति उपयोजना आदि से अवगत कराया गया एवं उन्हें एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाने की ओर प्रोत्साहित किया। साथ ही आपने फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा परियोजना से जुड़े कृषकों को प्रदान की जा रही उन्नत किस्म की बकरे एवं बकरियों को अच्छी तरह वैज्ञानिक ढंग से पालकर उनकी संख्या को बढ़ाने का आह्वान किया ताकि बकरीपालन अपनाकर कृषक अपनी आय का बढ़ा सके।

परियोजना के नोडल अधिकारी एवं संचालक विस्तार सेवा, डॉ. सुनील नायक ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पोषित परियोजना ''फार्मर फर्स्ट'' के तहत किसानों की पशुपालन संबंधी समस्याओं का विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर कैसे निराकरण किया जा रहा है, के संबंध में विस्तृत चर्चा की और बताया की इस परियोजना से निश्चित ही कृषकों, युवा ग्रामीणों एव कृषक महिलाओं को बहुत लाभ प्राप्त हो रहा है और उनकी आय में वृद्धि देखी जा रही है।

पशुधन प्रक्षेत्र, आमानाला में कृषक भ्रमण के पश्चात् परियोजना के 27 हितग्राहियों को माननीय कुलपति महोदय डॉ. पी.डी. जुयाल के द्वारा 28 बकरियाँ एवं 26 बकरे (कुल 54 नग) निःशुल्क वितरण किये गये। कार्यक्रम में पधारे डॉ. वाय.पी. साहनी, संचालक अनुसंधान सेवा, डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. शशि प्रधान, प्रक्षेत्र प्रभारी डॉ. के.पी.एस. सैनी एवं श्री अरविन्द शर्मा, सहा. पशुचिकित्सा प्रक्षेत्र, अधिकारी का सहयोग रहा। कार्यक्रम का आयोजन व संचालन परियोजना अन्वेषक डॉ. ए.के. गौर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रूचि सिंह सह परियोजना अन्वेषक द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री विजय चौकसे, श्री आशीष यादव, श्री देवी सिंह, श्री सुरेन्द्र तिवारी व मनोज कश्यप का सराहनीय योगदान रहा।

जनसंपर्क अधिकारी,
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर